



www.championsbooks.shop

परिचय : चीनी सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। यह मुख्यतः ह्वांग-हो (पीली नदी) और यांगत्सी नदी की घाटियों में विकसित हुई। चीनी सभ्यता की शुरुआत शांग राजवंश (लगभग 1600 ई.पू.) से मानी जाती है और यह आज भी निरंतर विकसित हो रही है।

मुख्य विशेषताएँ

- ★ यह सभ्यता ह्वांग-हो और यांगत्सी नदी की घाटियों में विकसित हुई।
- ★ चीनी सभ्यता का विकास क्रमिक रूप से विभिन्न राजवंशों के शासन में हुआ।
- ★ इसने लेखन, विज्ञान, दर्शन, कला और तकनीक में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- ★ कृषि, रेशम उद्योग और कागज़ निर्माण यहाँ की प्रमुख विशेषताएँ थी।
- ★ कन्फ्यूशियस और लाओत्से जैसे महान विचारकों ने समाज और दर्शन को दिशा दी।



चीनी सभ्यता का क्षेत्र

ह्वांग-हो
(पीली नदी)

यांगत्सी नदी

उत्पत्ति और काल

प्रारम्भ	लगभग 1600 ई.पू. (शांग राजवंश)
प्रमुख राजवंश	शांग, झोउ, चिन, हान, तांग, सोंग, मिंग, छिंग
विकास काल	लगभग 1600 ई.पू. से 1912 ई. तक
आधुनिक काल	1912 ई. के बाद गणतंत्र चीन का निर्माण

प्रमुख राजवंश (संक्षेप में)

- शांग राजवंश (1600-1046 ई.पू.) – प्रथम संगठित राज्य, लेखन का प्रारम्भ।
- झोउ राजवंश (1046-256 ई.पू.) – 'मैग्नेट ऑफ हेवन' की अवधारणा।
- चिन राजवंश (221-206 ई.पू.) – चीन का एकीकरण, चिन शिवाहूआंदू द्वारा महान दीवार की शुरुआत।
- हान राजवंश (206 ई.पू.-220 ई.) – रेशम मार्ग का विस्तार, विज्ञान और



चीनी सभ्यता की प्रमुख उपलब्धियाँ

लेखन



चीनी लिपि (चिन्हलिपि) का विकास शांग काल में हुआ।

कागज़ निर्माण



काई लून ने लगभग 106 ई. में कागज़ निर्माण की प्रणाली विकसित की।

रेशम उद्योग



रेशम का उत्पादन और रेशम मार्ग से व्यापार विश्व प्रसिद्ध हुआ।

कम्पास (दिशासूचक यंत्र)



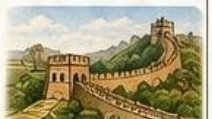
चीन में कम्पास का आविष्कार हुआ, जिसका उपयोग नौवहन में किया गया।

बारूद



बारूद का आविष्कार चीन में हुआ और बाद में इसका उपयोग युद्ध में किया गया।

महान दीवार



चिन राजवंश में उत्तरी आक्रमणों से रक्षा के लिए महान दीवार का निर्माण किया गया।

धर्म और दर्शन

- कन्फ्यूशियस (कूंग-फू-त्से) ने 'कन्फ्यूशियसवाद' की स्थापना की, जो नैतिकता और सदाचार पर आधारित है।
- लाओत्से ने 'ताओवाद' (Taoism) की स्थापना की, जो प्रकृति और संतुलन पर बल देता है।
- बौद्ध धर्म चीन में हान काल के बाद पहुँचा और व्यापक रूप से फैल गया।



कला, विज्ञान और संस्कृति

- चीनी चित्रकला, मूर्तिकला और मिट्टी के बर्तन प्रसिद्ध थे।
- चिकित्सा में जड़ी-बूटियों का उपयोग और एक्जूपंकचर (सूई चिकित्सा) का विकास हुआ था।
- कैलेंडर, गणित, ज्योतिष और खगोल विज्ञान में भी चीन की विशेष प्रगति हुई।
- चाय, चीनी मिट्टी (पोर्सिलेन), और छपाई कला चीन की महत्वपूर्ण देन है।



समाज और शासन व्यवस्था

- राज्य व्यवस्था सम्राट (सम्राट) के अधीन थी, जिसे 'स्वर्ग का पुत्र' माना जाता था।
- केन्द्रित शासन प्रणाली थी, जिसमें अधिकारी राज्य के प्रति उत्तरदायी थे।
- परिवार और पूर्वजों का सम्मान समाज की महत्वपूर्ण नींव था।
- कृषि मुख्य व्यवसाय था, विशेषकर धान की खेती।



ऐतिहासिक महत्व

- चीनी सभ्यता ने हजारों वर्षों तक निरंतरता बनाए रखी।
- इसका प्रभाव कोरिया, जापान, वियतनाम और अन्य एशियाई देशों की संस्कृतियों पर पड़ा।
- आज भी चीन विज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था में विश्व अग्रणी देशों में से एक है।



नोट : चीनी सभ्यता ने मानव इतिहास में लेखन, विज्ञान, तकनीक, दर्शन, कला और प्रशासन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है, जिसका प्रभाव आज भी पूरे विश्व पर देखा जा सकता है।

